जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 234 प्रभात उदयपुर, सोमवार 27 जून, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

समुद्र की गहराइयों में इतना अंधेरा होता है कि परभक्षी जीव भोजन तक नहीं ढूंढ पाते। कुछ जानवर, जैसे टूथ्ड व्हेल शिकार को ढूंढने के लिए एकोलोकेशन का प्रयोग करते हैं, तो कुछ अपने शिकार को रिझाकर पास बुलाते हैं। लेकिन सील भोजन की तलाश में 5000 फीट की गहराई तक चली जाती हैं और उपरोक्त कोई भी तरीका इस्तेमाल नहीं करतीं। शोधकर्ता काफी समय से सोच रहे थे कि पानी में विभिन्न जानवरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सील अपने "विस्कर्स" (मूँछों) का इस्तेमाल करती हैं, जैसे चूहे करते हैं। इस बात की पुष्टी के लिए वैज्ञानिकों ने एलिफैंट सील्स पर इन्फ्रारैड कैमरे लगाए और भोजन ढूंढते समय विस्कर्स की गतिविधि रिकॉर्ड की। टीम ने 9 घंटे के विडियो फुटेज लिए। उन्होंने देखा कि गहराई में शिकार करते समय सील अपने विस्कर्स को आगे पीछे घुमाती हैं लेकिन कम गहरे पानी में जब वे शिकार नहीं कर रही होती हैं तब उनके विस्कर्स स्थिर रहते हैं। मुख्य शोधकर्ता और युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, सैंटाक्रूज़ में मरीन इकॉलजिस्ट ताइकी अडाची ने कहा कि, प्राकृतिक स्थिति में जानवर सूचना पाने के लिए अपनी सभी ज्ञानेन्द्रियों का इस्तेमाल करते हैं, जैसे आंख, कान, विस्कर्स आदि। पर समुद्र की गहराई में, अंधेरे में जानवर सिर्फ खुद के प्रयासों से ही जानकारी जुटा सकते हैं। प्रोसीडिंग्स ऑफ द नैशनल अकैडमी ऑफ साइन्सेज़ में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं का निष्कर्ष है कि, विस्कर्स की लयबद्ध गतिविधि शिकार पकड़ने में अहम भूमिका निभाती है। युनिवर्सिटी ऑफ सेंट एंड्रूज़ की साशा केट हूकर, जो शोध में शामिल नहीं हैं, ने कहा, "यह बात समझ में आती है, गहराई में जाने वाले समुद्री स्तनपायी जीवों में एलिफैंट सील ही है जो स्पर्म व्हेल और बीक्ड व्हेल जितनी गहराई तक जाती है, कई बार तो उससे भी एक किलोमीटर आगे। पूर्व में हुई रिसर्च में देखा गया था कि कैप्टिविटी में जिन सील्स की आंखों पर पट्टी बांध दी गई थी उन्होंने विस्कर्स की मदद से शिकार किया। सील अपने विस्कर्स से 130 फीट दूर की हरकत भी भांप लेती हैं, ऑब्जैक्ट द्वारा हरकत करने के कुछ सैकेण्ड से भी कम समय में सील को हरकत का पता चल जाता है। किसी समुद्री स्तनपायी जीव में लयबद्ध विस्कर्स मूवमैंट पहले कभी भी नहीं देखा गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि, इस शोध से, लम्बे समय से चले आ रहे इस रहस्य से पर्दा उठ गया है कि सील समुद्र की गहराई में घने अंधेरे में कैसे शिकार करती हैं।

शिवसेना के बागी एकनाथ शिंदे ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होगी, इस याचिका में अजय चौधरी को शिवसेना विधायक दल का नेता चुने जाने को चुनौती दी गई है

मुंबई/नई दिल्ली, 26 जून। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है तथा उन्होंने घर लौटने के बाद केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला को शिंदे गुट के विधायकों की सुरक्षा के संबंध में पत्र लिखा है। उन्होंने अनुरोध किया है कि, स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों का पर्याप्त प्रावधान किया जाए और जरूरत पड़ने पर तैयार रखा जाए।

बागी शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे ने डिप्टी स्पीकर द्वारा महाराष्ट्र के बागी विधायकों के खिलाफ जारी अयोग्यता नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। शिंदे की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई होगी। इस याचिका में शिंदे की जगह अजय चौधरी को सदन में शिवसेना के विधायक नेता के रूप में नियुक्त करने को भी चुनौती दी गई है।

इस बीच महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि, 20 मई को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे को फोन किया और उनसे मुख्यमंत्री बनने के लिए कहा। उस समय उन्होंने ड्रामा किया और रोने लगे। ठीक एक महीने बाद उन्होंने विद्रोह कर दिया। शिंदे गुट ने जो किया, वह विद्रोह नहीं है, यह अलगाववाद है। उन्होंने यह सब करने के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तबीयत का अनुचित फायदा उठाया।

- **एकनाथ शिंदे ने अपनी याचिका में महाराष्ट्र में डिप्टी स्पीकर की नियुक्ति को भी चुनौती दी है।**
- **इस बीच महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की तबीयत में भी सुधार है तथा उन्होंने केन्द्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर गुवाहाटी में ठहरे शिवसेना के बागी विधायकों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कहा है।**

उधर एन.सी.पी. प्रमुख शरद पवार ने कहा कि हमारी पार्टी का पूरा समर्थन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ है। मैं कल राष्ट्रपति चुनाव के लिए यशवंत सिन्हा के नामांकन के लिए दिल्ली आया हूं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और उनके साथ गुवाहाटी गए अन्य विधायकों ने एक नया गठबंधन बनाने के लिए कहा है, लेकिन एन.सी.पी. और कांग्रेस की नीति हमारे द्वारा बनाई गई गठबंधन सरकार का समर्थन करने के लिए स्पष्ट है। महाराष्ट्र में एम.वी.ए. सरकार है और हम इसका समर्थन जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और अन्य विधायक सरकार में राकांपा के साथ थे। पिछले 2.5 वर्षों में उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। आज ही क्यों हो रही है? यह सिर्फ एक बहाना है। हम अंतिम समय तक मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का समर्थन करेंगे।

गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के बागी सभी विधायकों को आश्वासन दिया है कि सभी विधायक परिवारों को केंद्रीय सुरक्षा दी जाएगी। सुरक्षित मुंबई कैसे पहुंचे, अगले 2 दिनों में सरकार बनाने का दावा पेश करने और कानूनी पहलुओं पर भी हुई चर्चा। इस बीच महाराष्ट्र के भंडारा विधायक नरेंद्र भोंडेकर का जन्मदिन गुवाहाटी के रैडिसन ब्लू होटल में शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे और अन्य विधायकों की मौजूदगी में मनाया गया।

शिवसेना के वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने बताया कि शिवसेना द्वारा 16 विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है, संविधान में प्रावधान के तहत जो कहता है कि यदि कोई व्यक्ति किसी पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो वह अयोग्यता के लिए पात्र है। शिवसेना द्वारा अलग-अलग समय पर कई बैठकें बुलाई गईं, जिनमें से किसी ने भी भाग नहीं लिया। भाजपा शासित राज्यों का दौरा करना, भाजपा नेताओं से मिलना और सरकार गिराने का प्रयास करना विद्रोहियों द्वारा उल्लंघन के समान है।

उन्होंने कहा कि दो तिहाई की अवधारणा केवल विलय होने पर ही लागू होती है। जब तक विधायक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

त्रिपुरा में कांग्रेस कार्यालयों पर हमला

अगरतला, 26 जून (वार्ता)। त्रिपुरा की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम रविवार को घोषित किए गए, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बंपर जीत मिली। चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ घंटे बाद त्रिपुरा प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हमला किया गया। कथित तौर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यालय में तोड़फोड़ की, जिससे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिरजीत सिन्हा गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

पुलिस ने यह जानकारी दी। सिन्हा के पेट में चोट लगी है, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भाजपा समेत सभी राजनीतिक दलों के समर्थकों से राज्य में शांति बनाए रखने का आव्हान किया। उन्होंने पुलिस से कानून को ध्यान में रखते हुए स्थिति से सख्ती से निपटने के भी निर्देश दिए। कांग्रेस ने बाद में आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित उपद्रवियों ने खोवाई जिले में भी उनके

- **उपचुनावों के नतीजे आने के बाद हुये हमलों और तोड़फोड़ में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गंभीर रूप से घायल हुये।**

कई कार्यालयों में तोड़फोड़ की है और कईयों को आग के हवाले कर दिया है। इसके अलावा, उनके घरों और दुकानों को भी निशाना बनाया गया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में 23 जून को हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार विधानसभा सीटों में से तीन पर जीत हासिल की, जबकि अगरतला निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस को जीत मिली है। इस बीच, पुलिस ने जानकारी दी कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और भाजपा पार्षद शिल्पी सेन के बीच मतभेद की छोटी सी घटना हुई, जब वह आई.जी.एम. अस्पताल के पास मतगणना हॉल से लौट रही थीं। घटना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने यहां कांग्रेस भवन पर हमला किया और तोड़फोड़ की।

सत्तारूढ़ भाजपा ने हालांकि, कांग्रेस पर अराजकता शुरू करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई और पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की मांग की क्योंकि हिंसा उन्हीं की वजह से हुई।

सपा के किले आज़मगढ़ व रामपुर भरभराकर ढह गये

दोनों लोकसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज की

लखनऊ, 26 जून। उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर हुये उपचुनाव के नतीजे रविवार को सामने आ गये लेकिन इन नतीजों ने सपा की टैंशन बढ़ा दी है, सपा के पुराने और मजबूत किले माने जाने वाले आजमगढ़ और रामपुर दोनों ही किले भरभराकर ढह गये हैं और इन दोनों ही सीटों पर भाजपा को कामयाबी हासिल हुई है।

उत्तर प्रदेश की रामपुर संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार घनश्याम लोधी ने 42,000 से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सपा नेता आजम खान के बेहद करीबी माने जाने वाले सपा उम्मीदवार मोहम्मद आसिम राजा को इस सीट से हार का सामना करना पड़ा है। रामपुर में हार को लेकर जब सपा नेता आजम खान से सवाल किया गया तो वह भड़क गए। आजम ने कहा कि ये चुनाव था ही कहां?

- **रामपुर सीट से भाजपा के घनश्याम लोधी ने 42 हजार वोटों से सपा नेता आज़म खान के बेहद करीबी मो. आसिम रजा को हराया।**
- **आज़मगढ़ सीट से सपा नेता धर्मेन्द्र यादव को हराकर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने भी जीत दर्ज की।**

इसे ना आप चुनाव कह सकते हैं और ना ही चुनावी नतीजे कह सकते हैं।

वहीं आजमगढ़ सीट पर सपा के धर्मेंद्र यादव को हराकर भाजपा के दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने जीत हासिल की है।

इस मौके पर आजम खान ने कहा कि 900 वोट के पोलिंग स्टेशन पर केवल 6 वोट कैसे? उन्होंने कहा कि 2200 के पोलिंग वाले मुस्लिम मुहल्ले में केवल एक वोट कैसे? जब आजम खान से सपा की इस हार की वजह पूछी गई तो वे मीडिया पर ही उल्टा सवाल करने लगे। आजम ने कहा कि, जब आप ही को (मीडिया) कुछ नहीं दिख रहा तो हम तो पैदाइशी अंधे हैं, और अंधो ने चश्मा भी लगा रखा है। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को भी संदेश देते हुए कहा कि घृणा का जवाब घृणा से न दें।

रामपुर लोकसभा उपचुनाव के नतीजों के बाद संवाददाताओं से बातचीत में आजम खान ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भाजपा ने सरकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लोकसभा में आप एब्सैंट'

चंडीगढ़, 26 जून (वार्ता)। पंजाब के संगरूर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरजीत सिंह मान ने राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को गंभीर झटका देते हुए चुनाव जीत लिया। इस हार से आप पार्टी को बड़ा झटका लगा है अब लोकसभा में आप पार्टी का कोई भी प्रतिनिधि अथवा सांसद अब नहीं रह गया है।

- **पंजाब की संगरूर लोकसभा सीट हारने के बाद आप पार्टी का लोकसभा में कोई सांसद नहीं बचा है।**

रविवार को सामने आये चुनाव परिणाम में मान ने कुल 253154 वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप के गुरमैल सिंह को हराया। आप को कुल मतों का 34.79 फीसदी वोट हासिल हुए।

इस सीट पर 23 जून को उपचुनाव हुआ था। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस समेत सभी प्रमुख राजनीतिक पार्टियों को हार का सामना करना पड़ा है। शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के सिमरनजीत सिंह मान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पायलट और शेखावत मिले हुए थे'

शांति धारीवाल ने कहा कि, हमने खुद ऐसा होते देखा है, मुख्यमंत्री ठीक कह रहे हैं

कोटा, 26 जून (नि.सं.)। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल ने अपनी ही पार्टी के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के मिले हुए होने की बात को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वक्तव्य का समर्थन किया है।

धारीवाल ने कहा कि, मुख्यमंत्री गहलोत ठीक ही कहते हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं उनकी बात से सहमत हूं। हमने तो खुद यह देखा है। रविवार को प्रदेश के यू.डी.एच. मंत्री शांति धारीवाल कोटा दौरे पर आए थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट पर हमला बोला है।

सी.एम. अशोक गहलोत की बात को दोहराते हुए धारीवाल ने दोनों को मिला हुआ बताया है। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री गहलोत ने ठीक कहा है। इसमें

- **शांति धारीवाल ने केन्द्रीय मंत्री शेखावत को फोन टैपिंग के मामले में नोटिस दिये जाने का मुद्दा भी उठाया।**

कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। वहीं दौसा सांसद जसकौर मीणा के राजस्थान में भी महाराष्ट्र जैसे हालात बनने के बयान पर धारीवाल ने कहा कि, भाजपा वाले पहले भी मुंह की खा चुके हैं फिर मुंह की खाएंगे। राज्यसभा के चुनाव में उन्होंने देख लिया है कि कांग्रेस को तो पूरे 126 वोट मिले हैं जबकि बीजेपी का ही एक वोट टूटा है। ज्ञात रहे कि, फोन टैपिंग प्रकरण पर गहलोत ने गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए कहा था कि, कानून अपना काम कर रही है। वह काफी समय से बचते रहे। आखिर में कोर्ट की ओर से उन्हें नोटिस सर्व हो ही गया। इनको वॉइस सैंपल देने में तकलीफ क्या है? वे स्वीकार कर चुके हैं कि ये इनकी वॉइस है। लोकेश शर्मा के खिलाफ जो केस इन्होंने दर्ज करवाया है वह उलटा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात है। आप सरकार गिराने के प्रयास का मुख्य किरदार थे। सबको मालूम है कि आप एक्सपोज हो गए हैं। आपने खुद सरकार गिराने का षडयंत्र किया। अब आप सचिन पायलट का नाम ले रहे हैं। कह रहे हैं कि उन्होंने चूक कर दी। इसके बाद तो और प्रूफ हो गया। आपने खुद ठप्पा लगा दिया कि आप उनके साथ मिले हुए थे।

नाइट क्लब में 17 लोग मृत पाए गए

केप टाउन, 26 जून (वार्ता)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एन्योबेनी टैवर्न में रहस्यमय परिस्थितियों में 17 लोग मृत पाए गए। मीडिया ने रविवार को यह रिपोर्ट दी है।

बी.बी.सी. को पुलिस प्रवक्ता ने न्यूज़रूम अफ्रीका टेलीविज़न चैनल के हवाले से बताया, घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच की जा रही है।

ब्रिगेडियर टेम्बिंकोसी किनाना ने

- **दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी लंदन शहर के एक क्लब में ऐसा मामला सामने आया है।**

कहा, हम इस तरह की कोई अटकलें नहीं लगाना चाहते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीड़ितों के परिजन को शवों को देखने नहीं दिया जा रहा है।

बी.बी.सी. ने डेली डिस्पैच अखबार के प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया, समारोह स्थल पर शव फर्श पर पड़े हुए हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पूर्वी केप पुलिस आयुक्त नोमथेलेली लिलियन मेने ने एस.ए.बी.सी. न्यूज को बताया कि ऐसा लगाता कि बार के अंदर भगदड़ हुई है।

ब्रिगेडियर किनाना के अनुसार अधिकांश शव 18 से 20 वर्ष के युवाओं के हैं।

राहुल गांधी ने धैर्य के मामले में पायलट का उदाहरण दिया, तो क्या मु.मंत्री असहज हो गए?

वैसे भी एक सवाल अनुत्तिरत है कि, गहलोत 4 दिन सक्रिय रहने के बाद राहुल गांधी के भाषण से पहले ही अचानक जयपुर क्यों लौट आए थे

जयपुर, 26 जून (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के बयान के बहाने राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट को निशाने पर लेते हुए 2020 में हुई बगावत का जिम्मेदार ठहराया था और शेखावत के साथ मिलीभगत बताई थी। इस मामले के बाद सचिन पायलट या उनके कैंप की ओर से किसी तरह का जवाब नहीं आया था, लेकिन अगले ही दिन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम करते हुए अशोक गहलोत के बयान का समर्थन करते हुए कह दिया "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी मिलीभगत को हमने देखा है।"

इन दोनों बयानों के बाद अब तय हो गया कि आने वाले दिनों में राजस्थान कांग्रेस में भूचाल आना तय है और देखना यह भी है कि अब जिस शीतयुद्ध की शुरुआत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तरफ से हुई है उसका अंत किस तरह और किसकी ओर से होता है। वैसे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, राहुल गांधी की ओर से धैर्य के मामले में सचिन पायलट का नाम लिए जाने के बाद मुख्यमंत्री कहीं ना कहीं असहज जरूर हुए हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि आने वाले दिनों में पार्टी के अंदर

- **शांति धारीवाल ने आग में घी डाला और बोले "हां, मुख्यमंत्री सही कह रहे हैं और इनकी (शेखावत और पायलट) मिलीभगत को हमने देखा है।"**
- **मुख्यमंत्री ने एक दिन पहले ही शेखावत के बयान के बहाने पायलट को निशाने पर लिया था।**
- **हालांकि, सचिन पायलट और उनका खेमा शांत बैठा है।**

सचिन पायलट को लेकर बड़ा फैसला होने वाला है, इसलिए भी हो सकता है कि मुख्यमंत्री ने इस तरह का बयान देकर सचिन पायलट के धैर्य की परीक्षा लेने के साथ ही आलाकमान को भी एक बार फिर चुनौती दी है।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच राजनीतिक रूप से ठन चुकी है और भले ही कांग्रेस आलाकमान कितने भी प्रयास करें, यह मामला शांत होने का नाम नहीं ले रहा। हालांकि सचिन पायलट की ओर से कभी भी इस तरह का कोई बयान जारी नहीं किया गया है जिससे कि टकराव बढ़े, लेकिन गाहे-बगाहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से लगातार 2020 की बगावत के मामले को लेकर बयानबाजी लगातार चलती रही है। हालांकि इससे पहले मुख्यमंत्री ने रगड़ाई और विधायकों की खरीद-फरोख्त में करोड़ों की लेन-देन की बातें तो की थी। इस बार तो उन्होंने सीधे ही सचिन पायलट का नाम लेकर उनकी गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ मिलीभगत का आरोप जड़ दिया।

इस आरोप के बाद सचिन पायलट खेमे की ओर से कोई जवाब आता, इससे पहले ही रविवार को कोटा में नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आग में घी डालने का काम किया और कहा कि "हां, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सही कह रहे हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हमने खुद दोनों को मिला हुआ देखा है। दोनों नेताओं के बयान के बाद अब पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट 27 जून को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से अग्निपथ योजना के खिलाफ किए जा रहे विधानसभा वार धरने-प्रदर्शनों के सिलसिले में टोंक आ रहे हैं, तो देखना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)